Prabhat Khabar, 06.03.2019, Pg. 23

केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री वीके सिंह ने आइआइएम के विद्यार्थियों को दिये महत्वपूर्ण टिप्स

लीडर के चार गुण कॉन्फिडेंस, कमिटमेंट कम्युनिकेशन, करेज ऑफ कन्विक्शन

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह ने मंगलवार को आइआइएम रांची में विद्यार्थियों को लीडरशिप और अच्छे मैनेजर के टिप्स दिये. विद्यार्थियों को बताया कि एक अच्छे लीडर और मैनेजर होने के क्या-क्या गुण हो सकते हैं. इससे पहले संवाद की क्षमता पर कहा कि आप जिस स्वरूप में समाज का हिस्सा बनें, आपमें संवाद की क्षमता होनी चाहिए. बातों को समझने और समझाने की क्षमता होनी चाहिए.

श्री सिंह ने इसका उदाहरण सेना में अपने करियर की शुरुआती दिनों का दिया. वे लालकिला में पदस्थापित थे. एक शाम उन्होंने अपने जवान से पूछा कि खाना कैसा है? जवान हरिशंकर मंडल ने कहा : मोटा-माटी है. जवान की बात पर दुखी श्री सिंह ने अपने वरीय अधिकारी से पूछा कि खाना में मोटा माटी (मिट्टी) क्यों है? सैन्य अधिकारी ने कहा : आपको थोड़ी बांग्ला भाषा सीखनी चाहिए. मोटा-माटी बंगभाषी बोलते हैं. तभी मुझे लगा कि संवाद काफी जरूरी है. इसके बाद उन्होंने बांग्ला भाषा सीखी. श्री सिंह ने कहा कि आप दुनिया की तमाम भाषा सीखिए, लेकिन उस माहौल को भी सीखें जहां आप काम करते हैं.

आइआइएम रांची में विद्यार्थियों को बेहतर लीडर और मैनेजर बनने का टिप्स देते केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह.

नाना जी देशमुख ने 500 गांवों की तस्वीर बदल दी

श्री सिंह ने अच्छे लीडर के तीन उदाहरण दिये. भारत रत्न नाना जी देशमुख का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बेहतर सिस्टम के दम पर 500 गांवों की तस्वीर बदल दी. नाना देशमुख ने प्रत्येक गांव में दो हजार प्रतिमाह मानदेय पर दो युवाओं को रखा. इन युवाओं की जिम्मेदारी थी ग्रामीणों को स्वच्छता और बेहतर कृषि तकनीक की जानकारी देना. यह ये सभी गांवों आबाद हैं. यह बेहतर मैनेजरशिप नहीं बल्कि बेहतर लीडरशिप के कारण संभव हो पाया. उन्होंने कहा कि आप अच्छा लीडर बनना चाहते हैं, तो आपके अंदर एक आग होना चाहिए. जबकि हममें अधिकतर लोग सिर्फ अच्छा मैनेजर बनने में लगे रहते हैं. आपको तपना होगा. आपके साथ चुनौतियां हैं, लेकिन इनका मुकाबला करते हुए आपको आगे आना है. सोना का टुकड़ा तब तक सुंदर आभूषण नहीं बन सकता, जब तक वह आग में तपेगा नहीं. इस मौके पर विद्यार्थियों ने कई सवाल भी पूछे. कार्यक्रम में रांची की मेयर आशा लकड़ा व रांची विवि के कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय भी शामिल थे. इस दौरान आइआइएम के डायरेक्टर प्रो शैलेंद्र सिंह ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी.

अच्छे मैनेजरशिप और लीडरशिप के लिए यह है जरूरी

जनरल वीके सिंह ने लीडरशिप और मैनेजरशिप पर कहा : वह व्यक्ति जो संसाधनों को समझता हो, उसका इस्तेमाल कहां और कैसे करना हो यह जानता हो, वह मैनेजर होता है. हममें से अधिकतर लोग अधिकतम समय मैनेजर होते हैं, जबकि लीडरशिप और मैनेजरशिप का अंतर यहीं से शुरू होता है. एक अच्छा लीडर वह होता है, जो लोगों से वह सभी काम करा लेता है, जो वह चाहता है. इसके पीछे न किसी तरह का दबाव होता है, न ही लक्ष्य और न ही किसी तरह का डर. लीडरशिप को सीधे शब्दों में कहें तो यह अधीनस्थ से यह आश्वस्त कराता है कि वे सभी काम हो जायेंगे जो आप चाहते हैं.

आइआइएम रांची में आयोजित कार्यक्रम में मेयर आशा लकड़ा और रांची विवि के वीसी डॉ रमेश पांडेय सहित काफी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हुए.

चार 'सी' से ही बन सकते हैं आप अच्छे लीडर

श्री सिंह ने कहा कि एक अच्छे लीडर के लिए चार 'सी' का होना जरूरी है. कॉन्फिडेंस, कमिटमेंट, कम्युनिकेशन और करेज ऑफ कन्विक्शन. इनके बिना आप अच्छे लीडर की श्रेणी में नहीं आ सकते हैं. विद्यार्थियों को पॉलिसी व गवर्नेंस का फर्क भी बताया. पॉलिसी वह है जिसमें हम समाज को कुछ दे सकें और गवर्नेंस वह है जो यह देखता है कि पॉलिसी को सही तरीके से इंप्लीमेंट किया गया है कि नहीं.

विद्यार्थियों से पूछा कि साढ़े चार वर्षों में देश बदला या नहीं?

श्री सिंह ने विद्यार्थियों से सवाल पूछे कि साढ़े चार वर्षों में देश बदला या नहीं. इस पर विद्यार्थियों ने एक स्वर में कहा कि देश में बदलाव हुए हैं. श्री सिंह ने कहा कि पहले सिर्फ घोषणाएं होती थीं, लेकिन आज काम धरातल पर दिखते हैं. काम में पारदर्शिता आयी है. लोगों की सोच में भी बदलाव आया है. पहले लोग कहा करते थे कि यह काम तो सरकार का है, लेकिन आज लोग खुद से करते हैं. इसका उदाहरण स्वच्छ भारत अभियान है. रांची ने भी स्वच्छ भारत का खिताब जीता है, जो अच्छा संकेत है.

वॉर रिपोर्टिंग काफी संजीदगी से होनी चाहिए

विदेश राज्यमंत्री ने मीडिया कर्मियों को भी सलाह दी. कहा कि वार रिपोर्टिंग काफी संजीदगी से होनी चाहिए. हमारा कोई सहयोगी है जो वार में शामिल है, तो उसके बारे में कुछ भी बताने से मीडिया को परहेज करना चाहिए.